Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

Press Release

Sahitya Akademi Organises Face-to-Face and Story Reading Programmes at New Delhi World Book Fair 2026

Sahitya Akademi organised a Face-to-Face programme and a Panel Discussion on India's Intellectual Traditions, during the New Delhi World Book Fair 2026 on 15 January 2026 at Hall No. 2, Bharat Mandapam, New Delhi.

In the Face-to-Face programme, Sri K. P. Ramanunni, eminent Malayalam writer and Sahitya Akademi Award-winner, participated and shared insights from his literary life and work. He mentioned that he hails from Kozhikode, a city recognised by UNESCO as India's first and only City of Literature. During the session, he read excerpts from his Malayalam short story 'MTP'—the medical term for termination of pregnancy—which was translated into English by Abu Bakar Kaba. Written in the form of a play and divided into seven segments, the story explores the intense human drama surrounding a medical termination of pregnancy, drawing from the author's own life experiences. Reflecting on his literary journey, Sri Ramanunni spoke about his formative years, stating that as a teenager he was simultaneously reading spiritual and communist literature, which led to inner conflict and psychiatric consultation. Although the treatment proved futile, the experience inspired him to find solace and expression through writing.

The Face-to-Face programme was followed by a Panel Discussion on India's Intellectual Traditions, with Prof. Rawail Singh, Prof. Harekrishna Satapathy, and Prof. Basavaraj Kalgudi as panellists. Sri Rawail Singh discussed Punjab's intellectual heritage, tracing it from the ancient centre of learning at Takshashila to Nath Yogis, Sufism, and Sikhism. Prof. Harekrishna Satapathy compared ancient and contemporary education systems, referring to Brahma, Vishnu, and Mahesh as the Aadigurus, and recited a shloka from the Vedas. Prof. Basavaraj Kalgudi spoke on peripheral knowledge systems, categorising them into oral and written traditions, and highlighted the significance of tribal and agrarian wisdom traditions in ancient India.

Both programmes were well received by the audience, comprising students, teachers, writers, and literature enthusiasts, and witnessed meaningful interaction and discussion. Dr Sandeep Kaur, Assistant Editor, proposed the vote of thanks on behalf of Sahitya Akademi.

- Pallavi Prashant Holkar

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-23386626-28, फैक्स : +91-11-23382428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-23386626-28, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

प्रेस विज्ञप्ति

आज की शिक्षा पद्धति में हम चरक, धन्वंतरि जैसे विद्वानों को भूल गए हैं – हरेकृष्ण शतपथी

साहित्य अकादेमी द्वारा भारत की बौद्धिक परपंराएँ विषय पर परिचर्चा एवं 'आमने–सामने' कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 15 जनवरी 2026। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत साहित्य अकादेमी द्वारा आज हॉल नं.– 2 स्थित 'लेखक मंच' में 'आमने–सामने' कार्यक्रम और 'भारत की बौद्धिक परंपराएँ' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। 'आमने–सामने' कार्यक्रम में साहित्य अकादेमी से पुरस्कृत मलयाळम् लेखक के.पी. रामानुण्णी ने श्रोताओं के समक्ष अपनी रचना प्रक्रिया साझा की, साथ ही अपनी रचनाओं का पाठ भी किया। 'भारतीय की बौद्धिक परंपराएँ पर परिचर्चा' कार्यक्रम में पंजाबी के प्रख्यात लेखक और अकादेमी के पंजाबी परामर्श मंडल के संयोजक रवेल सिंह, संस्कृत के प्रख्यात साहित्यकार हरेकृष्ण शतपथी और कन्नड के प्रख्यात लेखक बसवराज कलगुडी ने सहभागिता की।

'आमने–सामने' कार्यक्रम में के.पी. रामानुण्णी ने अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि मैं भारत के इकलौते साहित्य के यूनेस्को शहर कोझिकोड से आया हूँ। उन्होंने 'एम टी पी' कहानी अंग्रेजी में प्रस्तुत की। यह 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी' का संक्षिप्त नाम है। उन्होंने बताया कि स्कूली जीवन में मैं लेखक नहीं वैज्ञानिक बनना चाहता था, परिस्थितियाँ कुछ ऐसी बनी कि मैं लेखक बन गया।

'भारत की बौद्धिक परंपराएँ (परिचर्चा)' में पंजाब की बौद्धिक परंपराओं पर बात करते हुए प्रख्यात पंजाबी लेखक रवेल सिंह ने कहा कि सिखिज़्म और सूफ़ीज़्म पंजाब की सबसे बड़ी ज्ञान परंपरा है। ऋग्वेद भी हरियाणा–पंजाब की धरती पर ही लिखा गया। पाणिनि का व्याकरण, गीता, वाल्मीकि रामायण भी पंजाब की धरती पर ही लिखी गई। उन्होंने नाथ – जोगी परंपरा, मोहन जोदड़ो, हड़प्पा संस्कृति पर भी बात की। उन्होंने यह भी बताया कि तक्षशिला में ही अंतर्विषयक ज्ञान परंपरा की शुरुआत हुई, जो पंजाब की धरती पर है।

प्रख्यात संस्कृत विद्वान हरेकृष्ण शतपथी ने कहा कि हमारा अपना बौद्धिक और संस्कृतिक इतिहास है। भारत एक विश्व गुरु है। प्राचीन काल से ही भारत के पास नालंदा, तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय थे, जहाँ देश–विदेश से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा पद्धति में हम चरक, धन्वंतरि जैसे विद्वानों को भूल गए हैं। वेद का अर्थ है ज्ञान, और इसे लिखने वाले भारतीय हैं। ब्रह्मा, विष्णु और महेश्वर हमारे पहले गुरु हैं।

कन्नड के प्रख्यात लेखक बसवराज कलगुडी दक्षिण भारत के बौद्धिक परंपरा के बारे में बताते हुए कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा हजारों साल पुरानी है। पहले मौखिक फिर लिखित रूप में आई। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में विभिन्न समुदायों की एक जटिल प्रणाली है, जिसमें विद्वान अपनी बुद्धि या रचनात्मकता के चित्रण के लिए नैतिकता का उपयोग करते हैं। इस तरह की अनेक पुस्तकें कई शताब्दियों से हमारी लिखित संस्कृति में रही हैं। उन्होंने आदिवासी और कृषक समाज की बौद्धिक परंपराओं की भी चर्चा की। कार्यक्रमों का संचालन सहायक संपादक संदीप कौर ने किया।

– पल्लवी प्रशांत होळकर

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-23386626-28, फैक्स : +91-11-23382428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-23386626-28, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in